

वशिव खाद्य कार्यक्रम

Last Updated: July 2022

‘वशिव खाद्य कार्यक्रम’ (World Food Programme-WFP) एक अग्रणी मानवीय संगठन है जो आपात स्थितिमें लोगों के जीवन को बचाने और परिवर्तित हेतु खाद्य सहायता प्रदान करता है यह पोषण स्तर में सुधार करने और लचीलापन लाने हेतु समुदायों के साथ मलिकर कार्य करता है।

- इसकी स्थापना वर्ष 1961 में ‘खाद्य एवं कृषि संगठन’ (Food and Agriculture Organization- FAO) तथा ‘संयुक्त राष्ट्र महासभा’ (United Nations General Assembly-UNGA) द्वारा अपने मुख्यालय रोम, इटली में की गई थी।
- यह **संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास समूह (UNSDG)** का सदस्य भी है, जो **सतत् विकास लक्ष्यों** (Sustainable Development Goals-SDGs) को पूरा करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों एवं संगठनों का एक गठबंधन है।
 - अंतर्राष्ट्रीय समुदाय वर्ष 2030 तक भुखमरी को समाप्त करने, खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने एवं पोषण में सुधार करने हेतु प्रतबिद्ध है।
 - WFP 120 से अधिक देशों और क्षेत्रों में संघर्ष के कारण वसिथापति और आपदाओं से नरिशरति लोगों के लिये जीवन रक्षक खाद्य सामग्री प्रदान करने हेतु कार्य करता है।

उद्देश्य

- डब्ल्यूएफपी आपातकालीन सहायता के साथ-साथ पुनरवास एवं विकास सहायता पर भी केंद्रित है।
 - इसका दो-तहियाई काम संघर्ष-प्रभावित देशों में होता है, जहाँ अन्य जगहों की तुलना में लोगों के तीन गुना कुपोषित होने की संभावना है।
- यहरोम स्थिति दो अन्य संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के साथ मलिकर काम करता है:
 - **खाद्य एवं कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization-FAO)**: यह संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को नीतियों के नरिमाण एवं धारणीय कृषि का समर्थन करने हेतु योजना बनाने एवं कानूनों में परिवर्तन करने में मदद करता है।
 - **कृषि विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय कोष (International Fund for Agricultural Development- IFAD)**: इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब जनता हेतु बनाई गई परियोजनाओं का वतितपोषण किया जाता है।
- भोजन तक पहुँच प्रदान करके भुखमरी को समाप्त करना।
- पोषण में सुधार एवं खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना।
- सतत् विकास लक्ष्य को कार्यान्वयन का समर्थन एवं इसके परिणामों को साझा करना।

डब्ल्यूएफपी की रणनीतिक योजना (2022-2025): भुखमरी के वरिद्ध त्वरति कार्यवाही

- 2022-2025 के लिये डब्ल्यूएफपी की रणनीतिक योजना सतत् विकास के लिये 2030 एजेंडा और इससे जुड़े सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिये नए सरि से वैश्विक प्रतबिद्धता पर आधारित है।
 - यह कई तरीकों की रूपरेखा तैयार करता है कि WFP, साझेदारी में काम करते हुए, जीवन को सबसे अधिक कुशलता के माध्यम से बचा सकता है और बदल सकता है।
- WFP की रणनीतिक योजना में 2030 का वज़िन अंतरनहित है:
 - वशिव में खाद्य असुरक्षा और कुपोषण को समाप्त करना (SDG 2 - ज़ीरो हंगर)
 - राष्ट्रीय और वैश्विक अभकिरत्ताओं द्वारा एसडीजी (एसडीजी 17 - लक्ष्यों के लिये भागीदारी) हासिल करना।
- सामरिक योजना एसडीजी के परस्पर जुड़ाव पर ज़ोर देती है, इस बात पर प्रकाश डालती है कि डब्ल्यूएफपी की गतविधियाँ भी अन्य लक्ष्यों की दशिया में योगदान करती हैं और उन पर नरिभर करती हैं।
- भुखमरी के प्रमुख कारण संघर्ष, जलवायु संकट और आर्थिक मंदी, डब्ल्यूएफपी की प्रोग्रामगि, नई साझेदारी इन समस्याओं के लिये प्रवेश बढि प्रदान करते हैं। इस तरह की बड़ी और जटलि वैश्विक चुनौतियों के बीच, डब्ल्यूएफपी मुख्य रूप से तत्काल ज़रूरतों को पूरा करेगा, जबकि लचीलापन बनाने और भेद्यता के मूल कारणों को दूर करने के अवसरों का लाभ उठाएगा।
- भुखमरी के वरिद्ध त्वरति कार्यवाही और WFP के दृष्टिकोण को प्राप्त करना 5 परिणामों पर नरिभर करता है:
 - लोग अपनी तत्काल भोजन और पोषण संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाना।
 - लोगों के पास बेहतर पोषण, स्वास्थ्य और शक्ति के परिणाम।
 - लोगों के पास बेहतर और टिकाऊ आजीविका।

- राष्ट्रीय कार्यक्रमों और प्रणालियों को मजबूत किया जाना।
- मानवीय और विकासकरता अधिक कुशल और प्रभावी होना।
- WFP का कार्य सात सदियों द्वारा निर्देशित होगा, जिसमें चार क्रॉस-कटिंग प्राथमिकताएँ कार्यक्रम की दक्षता और प्रभावशीलता को अधिकतम करेंगी।
 - लोगों में निवेश करना, साझेदारी को मजबूत करना, फंडिंग को बढ़ाना और विधिता लाना, सबूतों पर निर्माण करना, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना और नवाचार को बढ़ावा देना - बिल्डिंग ब्लॉक्स जो WFP की रणनीतिक योजना को संक्षम करते हैं।

वित्तपोषण

- डब्ल्यूएफपी के पास वित्तीयन का कोई स्वतंत्र स्रोत नहीं है, यह पूरी तरह से स्वैच्छिक दान द्वारा वित्तपोषित है। सरकारें इसमें प्रमुख दानकरता होती हैं लेकिन संगठन को नज्दी क्षेत्र एवं व्यक्तियों से भी वित्तीय सहायता प्राप्त होती है।
 - **सरकारें:** सरकारें डब्ल्यूएफपी के लिये वित्तपोषण की प्रमुख स्रोत हैं। संगठन को संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित योगदानों की कोई बकाया राशि अथवा इसका कोई अंश प्राप्त नहीं होता है। लगभग 60 से अधिक सरकारें डब्ल्यूएफपी की मानवीय एवं विकास परियोजनाओं हेतु वित्त प्रदान करती हैं।
 - **कॉर्पोरेट्स:** कॉर्पोरेट द्वारा पोषित कार्यक्रमों के माध्यम से कंपनियाँ भुखमरी से लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।
 - नज्दी एवं गैर-लाभकारी संस्थाओं द्वारा दिये जाने वाले दान में आपातकालीन कार्यों हेतु फ्रंटलाइन समर्थन; डब्ल्यूएफपी की रसद व वित्तपोषण क्षमताओं को बढ़ाने के लिये विशेषज्ञता व वदियालय में भोजन हेतु नकद सहायता शामिल है।
 - **व्यक्तितः** व्यक्तियों के योगदान से भुखमरी से ग्रस्त लोगों के जीवन में परिवर्तन लाया जा सकता है। व्यक्तितगत दान कई प्रकार से कथिा जा सकता है:
 - संकट के दौरान आपातकालीन राशन की उपलब्धता।
 - स्कूलों में भुखमरी से त्रस्त बच्चों के लिये वशिष भोजन की व्यवस्था करना।
 - गरीब परिवारों की बालकियों को स्कूल जाने के लिये प्रोत्साहति करने हेतु खाद्य प्रोत्साहन।
 - संघर्ष एवं प्राकृतिक आपदाओं के मददेनजर स्कूलों, सड़कों और अन्य बुनियादी ढाँचे के पुनर्रिमाण और लोगों के लिये प्रबंध करना, भोजन करने हेतु वित्त की उपलब्धता सुनिश्चित।

शेयर द मील

- शेयर द मील संयुक्त राष्ट्र वशिष खाद्य कार्यक्रम (WFP) की एक पहल है।
- शेयर द मील एप के माध्यम से प्राप्त दान से वभिन्न डब्ल्यूएफपी कार्यों का वित्त पोषण कथिा जाता है, जिसका उद्देश्य क्षमता निर्माण एवं स्कूल फीडिंग कार्यक्रमों से लेकर आपात स्थितियों में खाद्य सहायता आदि प्रदान करना है।
- इस एप को वर्ष 2015 में लॉन्च कथिा गया था और तब से इसने वशिष के कुछ सबसे बड़े खाद्य संकटों के दौरान देश की सहायता की है जिसमें यमन, सीरिया एवं नाइजीरिया आदि देश शामिल शामिल हैं।

डब्ल्यूएफपी एवं भारत

डब्ल्यूएफपी वर्ष 1963 से भारत में कार्य कर रहा है जो देश में अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के बाद से खाद्य वितरण से लेकर तकनीकी सहायता के क्षेत्र में कार्य करता है। भारत में डब्ल्यूएफपी मुख्य रूप से नमिनलखिति क्षेत्रों में सहायता करता है:

- **लक्षति सार्वजनिक वितरण प्रणाली में परिवर्तन:** डब्ल्यूएफपी भारत की स्वयं की सबसडी वाली खाद्य वितरण प्रणाली की दक्षता, जवाबदेही एवं पारदर्शतिा को बेहतर बनाने हेतु कार्यरत है, जिससे देश भर में लगभग 800 मिलियन गरीब लोगों को गेहूँ, चावल, चीनी एवं मट्टी के तेल की आपूर्ति होती है।
- **सरकार द्वारा वितरित भोजन कार्यक्रम का सुदृढीकरण:** डब्ल्यूएफपी सरकारी स्कूलों के लिये मध्याह्न भोजन कार्यक्रम (Midday Meal school programme) के तहत भोजन के पोषण गुणों में वृद्धि करने हेतु स्कूल भोजन में बहु-सूक्ष्म पोषक तत्वों के सुदृढीकरण करने हेतु कार्य करता है।
 - पायलट प्रोजेक्ट में देखा गया कलौह तत्वों की अधिक मात्रा युक्त चावल जैसे एक ही ज़िले में वितरित कथिा गया था, के परिणामस्वरूप एनीमिया में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है।
 - इसने केरल में शिशुओं एवं छोटे बच्चों को दिये जाने वाले भोजन में पोषण तत्वों को सुदृढीकरण कर कुपोषण से निपटने में मदद की है।
- **खाद्य असुरक्षा का प्रतचित्तिरण/मैपिंग एवं नगिरानी:** डब्ल्यूएफपी ने भारत के सबसे अधिक खाद्य असुरक्षति क्षेत्रों की पहचान करने के लिये सुभेदयता वशिषलेषण और मैपिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग कथिा है, जो नीति एवं राहत कार्य को उचित रूप से लक्षति करते हैं।
 - डब्ल्यूएफपी राज्य सरकार की खाद्य सुरक्षा वशिषलेषण इकाई की स्थापना में गरीबी एवं मानव विकास नगिरानी एजेंसी का भी समर्थन कर रहा है, जो भुखमरी को पूर्णतः समाप्त करने के लक्ष्य की दशिा में कार्यरत है।

डब्ल्यूएफपी द्वारा जारी की गई रिपोर्ट

- **खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट** - खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट वशिष में तीव्र भुखमरी के पैमाने का वर्णन करती है। यह भुखमरी के उन कारणों

का वश्लेषण करती है जो संपूरण वशिव में खाद्य संकट में योगदान दे रहे हैं ।

- यह रपौरट ग्लोबल नेटवर्क अगैसूट फूड क्राइससि द्वारा तैयार की गई है जो एक अंतर्राष्टरीय गठबंधन है तथा अत्यधिक भुखमरी के मूल कारणों को दूर करने हेतु कार्यरत है ।

पुरस्कार

- डब्ल्यूएफपी को भुखमरी की स्थतिसे नपिटने के लयि संघर्ष परभावति क्षेत्रों में शांति स्थापति करने और युद्ध एवं संघर्ष के हथयार के रूप में भुखमरी के उपयोग को रोकने के इसके परयासों के चलते **वर्ष 2020 के नोबेल शांतिपुरस्कार** से सम्मानति कयिा गया है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-food-programme>

